SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory paper	3hrs duration	100Marks
Dissertion Thesisl Survey Report/Field Work, if any		100 Marks

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shali be shown in the syllabus for the subject cobcerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a srbject /paper separately.
3. A candidates for a pass at each of the Final Examinations shall be required to obtain (1) atleast 36% marks in the aggregals of all the paper prescribed for the examination and (2) atleast 36% marks in pratical (s) wherever prescribed at the examination provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/survery report/field work .wherever prescribed ,he shall be deemed to have failed at the examination . notwithstanding his having obtained the minimum percntageof marks required in the aggregate for that examination . No division will be awarded at the previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the previous and the Final Examination taken together , as noted below;

First Division 60%) of the aggregate marks taken together
Second Division 48% of the previous and the Final Examination

All the rest will be declared to have passed the examination .

4. if a candidate clears any papers(s) / practical's) / Dissertation prescribede at the previous and/or Final Examination period of three years then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such paper(s) / Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period (s) / practical (s) / dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years. Provided that in each the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.
5. The Thesis/Dissertation survey Report Field work field work shall be type written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at feast 3 weeks before the commencement shall be permitted to offer Dissertation/ Field work! Survey Report thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paer as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and o end if semester scheme , irrespective of the number of papers in which a candidates actually appeared of the examination .

N. B. Non – colleginate candidates are not eligiable to offer dissertation as per privisions of O. 170-A.

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम. ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम ए उतरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक , निबंध एवं आलोचना)
द्वितिय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
पंचम प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

1. लघुशोध प्रबन्ध (एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त सभी नियमित छात्र – छात्राओं हेतु अनिवार्य)

2. विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
   - (क) कवि एवं साहित्यकार
   - (क) (1) तुलसीदास
   - (क) (2) सूरदास
   - (क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
   - (क) (4) जयशंकर प्रसाद
   - (क) (5) अज्ञेय
   - (क) (6) प्रेमचन्द

3. कोई एक विधा
   - (ख) (1) हिन्दी उपन्यास
   - (ख) (2) हिन्दी कहानी
   - (ख) (3) लोक साहित्य
   - (ख) (4) हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और व्यवहार

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी सहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश

क. हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण आदिकालीन काव्यधाराएं सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

ख. मध्यकाल : भक्ति आंदोलन उदय के सामाजिक – सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप।

ग. हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास रज्जव, तथा जम्भनाथ ।

हिन्दी सूफी काव्य – वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा , सूफी प्रेमाख्यान का स्परूप हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि – मुल्ला दाऊद, कुतुवन, मंझन तथा जायसी ।

घ. हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय ,कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

प्रमुख कवि – सूरदास, नन्ददास मीरा, रसखान ।

हिन्दी राम काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय ,राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य ।

रीतिकाल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर

ङ. आधुनिक काल का काव्य

1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता

अंक विभाजन :

कुल तीन प्रश्न
क / ख से एक प्रश्न (34 अंक)
ग / घ से एक प्रश्न (33 अंक)
ङ से एक प्रश्न (33 अंक)
कुल 3 प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय)

अनुशंसित गंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र (सं)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार शर्मा
हिन्दी साहित्य का अदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का अतीत : (दो भाग) : विश्वनाथ प्रताप मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठयांश

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (30 पहले पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (20 पहले पद)
   कवितावली – (वन के मार्ग प्रकरण)
   1. पुरतें निकसी रघुवीर वधू ....
   2. जल को गए लक्खनु है ....
   3. ठाढे है नवद्रुम डार गहैं ....
   4. जलज नयन, जलजानन जटा है सिर ....
   5. आगें सोहै सॉवरो कुंवरू गोरो ....
   6. सुन्दर वदन , सरसीरूह सुहाए नैन ....
   7. बनिता बनी स्यामल गौर के बीच ....
   8. सांवरे – गोरे सलौने सुभागै ....
   9. रानी मै जानी अजानि महा ....
   10. सीसजटा , उर बाहु विशाल ....
   11. सुनि सुन्दरबैन सुधारस साने ....
3. बिहारी रत्नाकर : 50 पद पहले पद
4. दादूदयाल : श्री दादूवाणी – सं रामप्रसाद दास स्वामी प्रकाशक दादूदयालु महासभा जयपुर ।
   अथ राग असावरी पद संख्या 213 से 232 तक
5. घनानन्द कवित : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी वितान , प्रकाशन (प्रारम्भ के 30 पद)
6. मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोतम स्वामी, श्रीराम मेहरा आगरा (प्रारम्भ के 30 पद)

अंक विभाजन :

कुल दो व्याख्या आंतरिक विकल्प देय (20 X 2 = 40)

दो प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय)

1,2,3 से 1

4,5,6 से 1 : (30 X 2= 60)

अनुशंसित ग्रथ :

सूर का भ्रमरगीत : डॉ0 शकरदेव अवतरे।
सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा।
अष्टछाप ओर वल्लीसम्प्रदाय : डॉ0 दीनदयालु गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
सूर की काव्यकला : डॉ0 मनमोहन। गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
तुलसी : डॉ0 उदयभानु सिंह
गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा।
बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाराणसी।
बिहारी का नया मुल्यांकन : डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ0 मनोहरलाल गौड, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
आनन्द घन : डॉ0 रामदेव शुक्ल, वाधी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
मीरा पदावली : डॉ0 शम्भू सिंह मनोहर
मीराबाई : पदमावती शबनम।
उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी
श्री दादूपंथ का परिचय : प्रथिम, द्वितीय, तृतीय भाग – स्वामी नारायणदास।

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

संत साहित्य की रूपरेखा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

एम ए (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र :) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठयांश :

क. साहित्य की परिभाषा , साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य) मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास ,कहानी , नाटक , एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखामित्र , संस्मरण, रिपोर्ताज ।

ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस , ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति अलंकार, औचित्य ।

ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तु, लॉजाइन्स, इलियट, क्रोचे के काव्य सिद्धान्त ।

घ. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)

1. हिन्दी आलोचना का उदभव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक , तुलनात्मक , प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक , नयी समीक्षा ।

अंक विभाजन : तीन प्रश्न आंतरिक विकल्प देय

क.	क / ख से एक प्रश्न	(34 अंक)
ख.	ग से एक प्रश्न	(33 अंक)
ग.	घ से एक प्रश्न	(33 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ वाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शांतिस्वरूप्प गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ भागीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी ।

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम ए (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास , कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठयांश :

1. गोदान : प्रेमचन्द्र
   अथवा
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. स्मृति लेखा :
   (भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती देवी शीर्षक पाठों को छोडकर)
   अथवा
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :
   जिन्दगी और जोक – अमरकान्त
   खोई हुई दिशाएँ – कमलेश्वर
   परिन्दे – निर्मल वर्मा
   तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु
   चीफ की दावत – भीष्म साहनी
   यही सच है – मन्नू भण्डारी
   एक और जिन्दगी – मोहन राकेश
   जहां लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव
   प्रेत मुक्ति – शैलेश मटियानी
   भेडिए – भुवनेश्वर
   हंसा जाई अकेला – मार्कण्डेय
   कोसी का घटवार – शेखर जोशी
   विनाशदूत – मृदुला गर्ग
   फुलवा – रतन कुमार सांभरिया
   पहली दो पुस्तकों में से किसी एक का अध्ययन
   अंतिम दो पुस्तको में से किसी एक अध्ययन
   1. व्याख्या–2 प्रत्येक में से एक–एक आन्तरिक विकल्प देय (20X2 = 40)
   2. प्रत्येक से एक – एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (2X30 = 60)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासो का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियॉ, डॉ लक्ष्मीसागर वार्गेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य : गुलावराव हाडे
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ रामदरश मिश्र

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (उतरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)

समय :3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश

1. अंधेरी नगरी : भारतेन्दु हरिशचन्द्र
   अथवा
2. स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3. कोणार्क – जगदीश चन्द्र माथुर
   अथवा
4. रक्त अभिषेक – दया प्रकाश सिन्हा
5. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण – शक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी) छायावाद (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस– सिद्धान्त के विरूद्ध-आक्षेप और उनका सामाधान (डॉ नगेन्द्र)।

अंक विभाजन :

01 या 02 में से कोई एक पुस्तक

03 या 04 में से कोई एक पुस्तक

05 एक पुस्तक

दो व्याख्या (आंतरिक विकल्प देय)

एक व्याख्या नाटक से एक व्याख्या निबंध से (2X20 = 40)

दो प्रश्न एक नाटक से (चारों पुस्तक), एक निबंध से (आंतरिक विकल्प से) (2X30 = 60)

अनुशंसित ग्रंथ :

आज के रंग नाटक : गिरिश रस्तोगी
अंधेरी नगरी : सं गिरिश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
रंग दर्शन : नेमीचन्द जैन
हिन्दी निबंध : उदभव और विकास : डॉ ओंकरनाथ शर्मा
श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ सुरेश गुप्ता
आलोचक की आस्था : डॉ नगेन्द्र
आलोचना के आधार स्तम्भ : सम्पादक रामेश्वलाल खण्डेलवाल और डॉ सुरेशचन्द्र गुप्त
आलोचना और आलोचना : डॉ बच्चन सिंह
हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेश : डॉ तारकनाथ बाली
हिन्दी नाटक : उदभव और विकास – दशरथ ओझा
देवेन्द्रराज अंकुर – पहला रंग
जगन्नाथ शर्मा – जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं निर्गुण काव्य

समय : 03 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. पृथ्वीराज रासो – चंदबरदाई – शशिव्रता विवाह प्रसंग
   संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – सं हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (पद संख्या – 2,3,4,5,8,10,11,16,19,26,36,40,47,48,53)
3. जायसी ग्रन्थावली : संपादक – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (पद्‌वात तथा नागमती – वियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 1,2,5,10,11,12,14,22,35,39,42,49,55,57,66,68,69,70,76,87 कुल 20 पद)

अंक विभाजन :

1. 01,02 में से एक व्याख्या
   03,04 में से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय) (2 X18=36)
2. दो प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
   1–2 में से एक प्रश्न
   3–4 में से एक प्रश्न (2 X32=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

विद्यापति : डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति : डॉ0 शूभकार कपूर
विद्यापति वाग्लिवास : डॉ0 गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाशन बरेली
जायसी : विजयदेवनारायण साही
पद्‌मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
कबीर : विजेन्द्र स्नातक
कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणायत
नानक वाणी : सम्पादक जयराम मित्र, लोकभारती प्रकाशन
राजस्थान का संत साहित्य : पुरुषोत्तम मेनारिया
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ0 हीरालाल माहेश्वरी
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
तृतीय प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान

समय : 03 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

प्रथम इकाई :

1. भाषा : अर्थ, महत्व, विशेषताएँ, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध
4. भाषा अध्ययन के विभिन्न प्रकार, मूल अवधारणाएँ एवं सामान्य परिचय : वर्णानात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, भाषा भूगोल।
5. भाषा विज्ञान के विविध अंग – मूल अवधारणा एवं सामान्य परिवय, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञापन एवं शब्द विज्ञान।

द्वितीय ईकाई :

1. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ – ध्वनियों का वर्गीकरण
3. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

तृतीय ईकाई :

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ – वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण
3. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
4. राजभाषा हिन्दी

चतुर्थ ईकाई :

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का सम्बन्ध
3. लिपि के विकास का इतिहास – चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राही लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
6. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

अंक विभाजन :

1	इकाई 1/2 से एक प्रश्न	(34 अंक)
	इकाई 3 से एक प्रश्न	(33 अंक)
	इकाई 4 से एक प्रश्न	(33 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सैना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियां एवं उपभाषाएँ : डॉ0 हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्रः डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ0 सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ0 माताबदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा ओर साहित्य : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ0 रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ0 राजमल बोरा, मयूर पेपर बैक्स

Session 2021-22

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
चतुर्थ प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य

समय : 03 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद – (चिन्ता, आशा तथा श्रद्धा सर्ग)
2. राग–विराग : संपादक – डॉ0 रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता शीर्षक कविताएँ)
   कोई भी एक पुस्तक
3. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (अंधेरे में शीर्षक कविता)
5. आत्मजयी : कुँवरनारायण
   कोई भी दो पुस्तक

अंक विभाजन :
एक या दो की एक इकाई
तीन या चार या पांच की एक इकाई

व्याख्या – 2 आन्तरिक विकल्प देय।
01 से एक
02 से एक (18 X 2=36)
कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न।
01–02 से 01
03,04,05 से एक (आन्तरिक विकल्प देय) (02 X 32=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ0 नगेन्द्र

कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध

कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना

निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा

निराला : आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह

अज्ञेय : विश्वनाथ तिवारी

लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : नरेन्द्र मोहन

मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर

समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र

1. लघुशोध प्रबन्ध (एम.ए. पूर्वार्द्ध) हिन्दी में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त सभी नियमित छात्र–छात्राओं हेतु अनिवार्य–
2. विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
   (क) कवि, साहित्यकार
   (1) तुलसीदास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरित मानस : गीताप्रेस गोरखपुर – उत्तरकाण्ड
   अथवा
   विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर – पद संख्या 155 से 200 तक
2. गीतावली : गीताप्रेस गोरखपुर
   अथवा
   कवितावली : गीताप्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 x 2=36)
2. दो आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 x 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
तुलसीदास और उनका युग : राजपति दीक्षित
तुलसीदास : डॉ0 माताप्रसाद गुप्त
तुलसीदास : रासबिहारी शुक्ल
तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय
रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन : डॉ0 रामकुमार पाण्डेय
तुलसीदर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र
तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ0 उदयभानु सिंह

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(क) (2) सूरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन
   अथवा
   भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल – प्रारम्भ सं 100 पद
2. साहित्य लहरी
   अथवा
   सूर सारावली

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 x 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न। (आन्तरिक विकल्प देय) (32 x 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :–

कृष्णदास और सूरदास : डॉ0 प्रेमशंकर
सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सूर निर्णय : प्रभुदयाल मीतल
सूर सौरभ : डॉ0 मुंशीराम शर्मा
सूरदास की काव्यकला : डॉ0 मनमोहन गौतम
सूर और उनका साहित्य : डॉ0 हरवंशलाल शर्मा
सूरदास : डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
सूर साहित्य की भूमिका : डॉ0 रामरतन भटनागर
सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास : संपादक हरवंशलाल शर्मा

Only for Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा

(क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. निर्धारित कविताएँ – प्रेम माधुरी, प्रेम तरंग, विनय प्रेम, प्रेम पचासा, मानसोपायन, भारत वीरत्व, विजयनी विजय वैजयन्ती, नये जमाने की मुकरी, प्रातः समीकरण, बकरी विलाप और हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
   अथवा
   मुद्रा राक्षस (अनूदित)
2. सत्य हरिश्चन्द्र
   अथवा
   निर्धारित निबंध : भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है और "नाटक" शीर्षक निबन्ध।

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 X 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 X 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

भारतेन्दु समग्र : हिन्दी प्रकाशन संस्थान
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र भाग एक : ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद
भारतेन्दु कला : प्रेमनारायण शुक्ल
भारतेन्दु की विचारधारा : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
भारतेन्दु की भाषा और शैली : गोपाल खन्ना
भारतेन्दु ग्रन्थावली : सम्पादक ब्रजरत्नदास

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session 2020-21

अथवा

(क) (4) जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कामायनी से संघर्ष और आनन्द सर्ग
   अथवा
   चन्द्रगुप्त
2. काव्यकला तथा अन्य निबंध
   अथवा
   आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 X 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 X 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रसाद के नाटको का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ० जगदीश चन्द्र जोशी
जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी
प्रसाद की काव्य – साधना : रामनाथ सुमन
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
लहर सुधा निधि : डॉ० मधुर मालती सिंह
प्रसाद साहित्य में प्रेम तत्व : प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ० रामेश्वर खण्डेलवाल
प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास
प्रसाद का काव्य – डॉ० प्रेमशंकर

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा

(क) (5) अज्ञेय

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. एक बूंद सहसा उछली
   अथवा
   कितनी नावों में कितनी बार
2. भवन्ती
   अथवा
   शेखर : एक जीवनी : भाग एक व दो

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 X 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 X 2=64)

अनुशसित ग्रंथ :

अज्ञेय : संपादक – विद्या निवास मिश्र
अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
अज्ञेय का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन : शम्भूनाथ चतुर्वेदी
अज्ञेय का कथा साहित्य : ओम प्रभाकर
अज्ञेय के उपन्यास : प्रकृति और प्रस्तुति : डॉ० केदार शर्मा
शेखर : एक जीवनी महत्व : परमानन्द श्रीवास्तव
शब्द पुरूष अज्ञेय : नरेश मेहता
अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य : संपादक – अशोक वाजपेयी
अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ० केदार शर्मा
शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम : सम्पादक रामकमल राय

Session 2021-22

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा

(क) (6) प्रेमचन्द

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यग्रंथ :

1. कुछ विचार (निबन्ध)
   अथवा
   मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
2. रंगभूमि
   अथवा
   गबन

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 x 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 x 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रेमचन्द्र और उनका युग : डॉ रामविलास शर्मा
प्रेमचन्द्र साहित्य कोष : कमल किशोर गोयनका
कलम का सिपाही : अमृतराय
विविध प्रसंग : अमृतराय
कलम का मजदूर : मदनगोपाल
प्रेमचन्द्र घर में : शिवरानी
प्रेमचन्द्र : संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
प्रेंमचन्द्र : जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर
किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद्र : वीर भारत तलवार
प्रेमचन्द्र के उपन्यास साहित्य में सास्कृतिक चेतना नित्यानन्द पटेल
प्रेमचन्द्र : साहित्यिक विवेचन – नंद दुलाने वाजपेयी
कथाकार प्रेमचन्द्र – मन्मथनाथ गुप्त
प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली
प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प–विधान – डॉ० कमल किशोर गोयनका
रंगभूमि : नये आयाम – डॉ० कमल किशोर गोयनका
प्रेमचन्द : विश्वकोष (दो खण्ड) – डॉ० कमल किशोर गोयनका

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

3

(अथवा कोई एक विधा)

अथवा (ख)(1)हिन्दी उपन्यास

समयः 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. मुझे चाँद चाहिए– सुरेन्द्र वर्मा
   अथवा
   शेखर एक जीवनी – भाग 1,भाग 2
2. नीला चाँद– शिवप्रसाद सिंह
   अथवा
   कथा सतीसर –चन्द्रकान्ता

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 x 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 x 2=64)

अनुशंसित ग्रथः

1. हिन्दी उपन्यास : डॉ.सुषमा धवन,राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्राः राम दरश मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास कोष :गोपलराय
4. उपन्यास का जन्म :परमानन्द श्रीवास्तव
5. हिन्दी उपन्यास :प्रयोक के चरण : राजमल बोरा
6. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ.विमला सिंह, कला प्रकाशन ,वाराणसी
7. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ.इन्द्रनाथमदान
8. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप : डॉ. शशिभूषण सिंहल
9. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द्र जैन
10. प्रतिनिधि उपन्यास , भाग एक, भाग दो :डॉ यश गुलाटी , हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़।

Session 2021-22

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा (ख) (2) हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक :100

पाठ्य पुस्तक :

एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव (सभी कहानियाँ)

अंक विभाजन :

1.कुल दो व्याख्याएँ। (आंतरिक विकल्प देय) (18 X 2=36)

2.कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न (32 X 2=64)

पाठ्यक्रम की कहानियों के अतिरिक्त कहानी :उद्भव और विकास तथा विविध कहानी आंदोलनों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। आन्तरिक विकल्प देय ।

अनुशंसित ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी की शिल्प – विधि का विकास : डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
3. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
4. कहानी नयी कहानी : डॉ.नामवर सिंह
5. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास : डॉ.सुरेश सिन्हा
7. नयी कहानी : पुनर्विचार: मधुरेश,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : आठवां दशक : मधुर उप्रेती
9. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा (ख)(3)लोक साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम:

1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त –लोक साहित्य का अर्थ,परिभाषा,तत्व,प्रकार,क्षेत्र , महत्व ,लोक और साहित्य का संबंध, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य विषयों से संबंध। लोक साहित्य कला या विज्ञान ।

अथवा

2. लोक गीत–अर्थ, परिभाषा,महत्व,वर्गीकरण,तत्व लोकगीत और साहित्यिक गीत,प्रमुख लोकगीत–राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान ।
3. लोकगाथा और लोककथा –अर्थ,परिभाषा, तत्व, महत्व ,प्रकार ,प्रमुख लोकगाथाएँ व लोक कथाएँ,राजस्थान और ब्रज प्रदेशसे संबंधित, लोक गाथाओं व लोक कथाओं में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।

अथवा

4. लोक नाट्य –अर्थ,परिभाषा तत्व,महत्व,प्रकार राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित प्रमुख लोक नाट्य लोक रंगमंच, रंग विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति,शिल्प विधान।
5. (क)लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ–अर्थ, परिभाषा, महत्व,प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।

   (ख)लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयाँ, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।

अंक विभाजन : कोई 03 (तीन) प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
(1) – (2) से (1) प्रश्न 34
(3) – (4) से (1) प्रश्न 33
(5) से (1) प्रश्न 33

अनुशंसित ग्रंथ:

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन – डॉ.श्रीराम शर्मा
3. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
4. राजस्थानी लोक साहित्य – श्री नानूराम संस्कर्ता
5. ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. सत्येन्द्र
6. राजस्थानी लोक गीत भाग 1,2 – डॉ.स्वर्णलता अग्रवाल
7. राजस्थानी लोक गाथाएँ – डॉ.कृष्ण कुमार शर्मा
8. राजस्थानी बाल साहित्य एक अध्ययन – डॉ.मनोहर शर्मा
9. राजस्थानी कहावतें, एक अध्ययन – डॉ.कन्हैयालाल बहल
10. ब्रज और बुन्देली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ.शालिगराम गुप्त।

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा (ख) (4) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :
   1. पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व और प्रभाव।
   2. पत्रकारिता और साहित्य , साहित्य सृजन के विविध आंदोलन के विकास में पत्र – पत्रिकाओं का योगदान । पत्रकारिता और रचना – धार्मिता पत्रकार के गुण और दोष, कर्तव्य, आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्व।
   3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास

   अथवा

2. प्रेस कानून :
   1. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, लोकतान्त्रिक परम्पराएं, मौलिक अधिकार और साहित्य से सम्बद्धता, स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा।
   2. प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, कॉपीराइट एक्ट 1957, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867,श्रम जीवी पत्रकार कानून 1955, प्रेस कॉसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार (क्षेत्रीय विधान) अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, संसदीय विशेषाधिकार ।
   3. समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण : समाचार एवं उसके विविध प्रकार, समाचार संरचना, संवाददाता, उनके कर्तव्य एवं दायित्व समाचार प्रेषण – विविध प्रणालियाँ ।

   अथवा

   4. समाचार संपादन कला : संपादक विभाग की संरचना समाचार – चयन शीर्षक, लेखन, पृष्ठसज्जा।
   5. दृश्य – श्रव्य संचार माध्यम : जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन का उद्‌भव और विकास, महत्व और प्रभाव ।

   अंक विभाजन : कुल 03 (तीन) प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

   (1) – (2) से (1) प्रश्न 34

   (3) – (4) से (1) प्रश्न 33

   (5) से (1) प्रश्न 33

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1,2 – प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर
2. समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस ।
3. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम – डॉ वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली ।
5. प्रेस विधि – डॉ नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
6. भारत में प्रेस विधि – डॉ सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन
7. संवाद और संवाददाता – राजेन्द्र हरियाणा, साहित्य अकादमी, चंडीगढ ।
8. समाचार संकलन और लेखन – डॉ नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति लखनऊ
9. संवाददाता – सत्ता और महत्व – हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
10. समाचार संपादन – प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली
11. संपादन कला – के पी नारायण, म प्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. आकाशवाणी – रामबिहारी, विश्वकर्मा प्रकशन विभाग, दिल्ली
13. फीचर लेखन -- प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग, दिल्ली
14. स्तम्भ लेखन, पुस्तक–समीक्षा, फीचर लेखन।

Session 2021-22

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा (ख) (5) दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठय पुस्तके :

1. जूठन – ओम प्रकाश वाल्मीकि

   अथवा

   दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)

2. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियाँ और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अम्बेडकर के सार्थक प्रयास ओर दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार , दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रियां, दलित नवजागरण।

   अथवा

   भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति – आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्य शास्त्र,दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य ।

अंक विभाजन :

1. इकाई 01 की दो पुस्तकों से 02 व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय)	(02X18=36 अंक)
2. 01 – 02 से कोई एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)	
3. 03 – 04 से कोई एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)	(32X02=64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी – सं रमणिक गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
3. दलित साहित्य – अंक 2002, अंक 2003 सं जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता का आइने में दलित – सं अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा(पत्रिका) 58वां अंक, मध्यप्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य – कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अथवा(ख) (6)स्त्री लेखन और विमर्श

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चितकोबरा - मृदुला गर्ग
   अथवा
   संग सार - नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
2. कस्तूरी कुंडल बसे - मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
   अथवा
   स्त्री उपनिवेश - प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन : 02 ईकाई

1. व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (18 X 2=36)
2. दो आन्तरिक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (32 X 2=64)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. स्त्री पुरूष : कुछ पुनर्विचार, राजशेखर वाणी प्रकाशन
2. आदमी की निगाह मे औरत, राजेन्द्र यादव
3. औरत अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
4. परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे
5. नारीवादी विमर्श, राकेश कुमार, आधार प्रकाशन
6. दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी
7. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई ।

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)